MediaTAR
...Tracking, Analysis & Reportage

PUBLICATION	Rajasthan Patrika	DATE	11.02.2019
EDITION	Bangalore	PAGE NO	02
HEADLINE	Ultimate aim of Education is not Employment, but Empowerment & Enlightenment, says Honourable Vice President of India, M. Venkaiah Naidu		

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर अधिक निवेश करने की जरूरत : नायडू

बेंगलूरु. ज्ञान और शिक्षा के क्षेत्र में दुनिया के लिए भारत विश्व गुरु था। संसाधन हो या ऊर्जा, शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने व शिक्षा प्रणाली मजबूत करने के लिए ज्यादा से ज्यादा निवेश की जरूरत है। शुरुआत प्राथमिक स्तर से करनी होगी।

उन्होंने कहा कि गरीबी कम करने, लैंगिक समानता हासिल करने और अधिक रोजगार पैदा करने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सबसे शक्तिशाली तरीकों में से एक है। पाठ्यक्रम, बुनियादी ढांचा, शिक्षण और परीक्षा पद्धति एवं प्रौद्योगिकी उपकरणों में नवीनता लाते रहने की जरूरत है।

शैक्षिक उपलब्धियों के मामले में देश ने लंबा सफर तय किया है। प्राचीन भारतीय शिक्षा वेदों से निकली। वेद एक प्रबुद्ध संस्कृति की सर्वश्रेष्ठ अभिव्यक्ति है। वेदों में ज्ञान समाहित है।

रविवार को सीएमआर कैंपस का उद्घाटन करने के बाद उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने कहा कि विभिन्न योजनाओं के माध्यम से केंद्र सरकार अपना सर्वश्रेष्ठ दे रही है। युवाओं के कौशल विकास व उन्हें नौकरी लायक बनाने की दिशा में ऐसे कार्यक्रम लाभदायक हैं। गत चार वर्षों में सात भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सात भारतीय प्रबंधन संस्थान, दो भारतीय विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान और 11 नए भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान को सरकार ने मंजूरी दी। इसके बावजूद सरकार अकेले उतनी सफलता हासिल नहीं कर सकतीं, जितनी सरकारी और निजी कंपनियां मिलकर। नायडू ने कहा कि भारत सबसे ज्यादा उच्च शिक्षा संस्थानों एवं युवाओं वाले देशों में एक है। शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने की जरूरत है। वर्ष 2020 तक देश में औसतन उम्र 28 होगी। जबकि चीन, अमरीका, पश्चिमी यूरोप और जापान में औसतन उम्र क्रमशः 37, 45 और 49 होगी। चौथी औद्योगिक क्रांति और तकनीक प्रगति के कारण बेरोजगारी की समस्या बढ़ेगी। इससे निपटने का सर्वश्रेष्ठ तरीका युवाओं को 21वीं सदी की चुनौतियों के लिए तैयार करना है।

बेंगलूरु में रविवार को सीएमआर कैंपस का उद्घाटन करते उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू